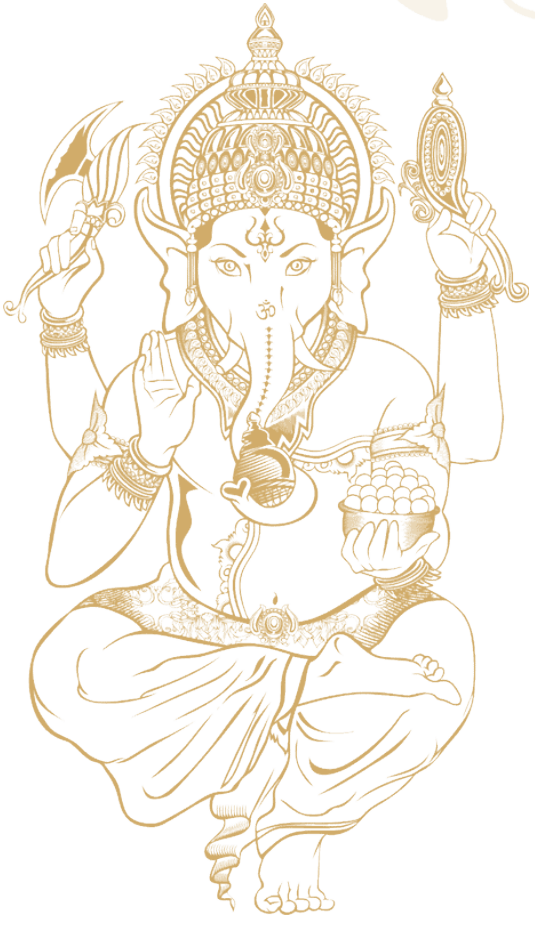

Mandeep Kumar

30 May 1997

03:10 PM

Kapurthala

Model: web-freekundliweb

Order No: 121749404

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/05/1997**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**15:10:00 घंटे**
इष्ट	24:21:32 घटी
स्थान	**Kapurthala**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:20:00 उत्तर
रेखांश	75:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:28:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:41:44 घंटे
वेलान्तर	00:02:31 घंटे
साम्पातिक काल	07:13:30 घंटे
सूर्योदय	05:25:23 घंटे
सूर्यास्त	19:26:28 घंटे
दिनमान	14:01:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	15:11:45 वृष
लग्न के अंश	21:59:44 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	प्रीति
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	दा-दामोदर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	21:59:44	309:32:24	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	---
सूर्य			वृष	15:11:45	00:57:32	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	29:21:03	14:06:17	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	सम राशि
मंगल			सिंह	28:36:01	00:19:03	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
बुध			मेष	21:26:57	01:19:34	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
गुरु			मक	27:56:26	00:02:02	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	नीच राशि
शुक्र			मिथु	00:20:00	01:13:29	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	23:21:26	00:05:35	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	सम राशि
राहु			कन्या	02:04:04	00:00:09	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	02:04:04	00:00:09	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	14:44:01	00:00:49	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	05:55:34	00:00:52	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	10:16:26	00:01:38	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	23:07:44	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:13

लग्न-चलित

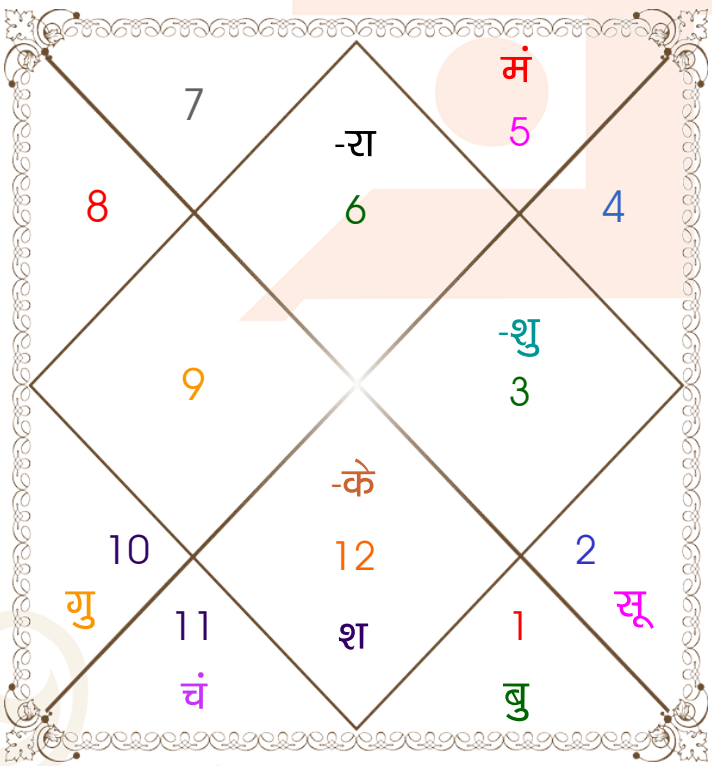

चन्द्र कुंडली

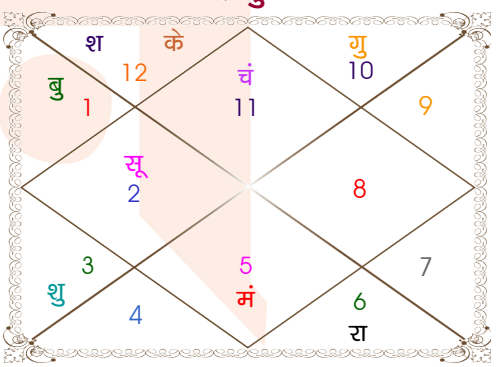

नवमांश कुंडली

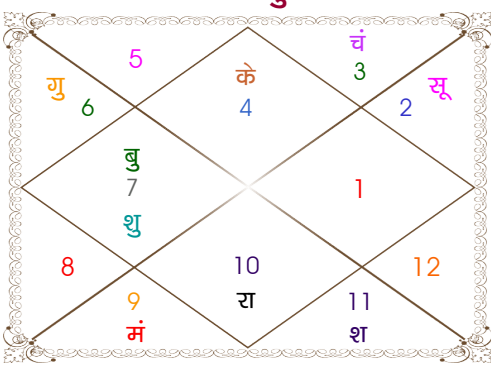

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 4 वर्ष 9 मास 10 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
30/05/1997		11/03/2002		10/03/2021		11/03/2038		10/03/2045	
11/03/2002		10/03/2021		11/03/2038		10/03/2045		10/03/2065	
	00/00/0000	शनि	13/03/2005	बुध	07/08/2023	केतु	07/08/2038	शुक्र	10/07/2048
	00/00/0000	बुध	22/11/2007	केतु	03/08/2024	शुक्र	07/10/2039	सूर्य	10/07/2049
	00/00/0000	केतु	30/12/2008	शुक्र	04/06/2027	सूर्य	12/02/2040	चंद्र	11/03/2051
	00/00/0000	शुक्र	01/03/2012	सूर्य	10/04/2028	चंद्र	12/09/2040	मंगल	10/05/2052
	30/05/1997	सूर्य	11/02/2013	चंद्र	09/09/2029	मंगल	08/02/2041	राहु	11/05/2055
सूर्य	10/07/1997	चंद्र	12/09/2014	मंगल	06/09/2030	राहु	26/02/2042	गुरु	09/01/2058
चंद्र	09/11/1998	मंगल	22/10/2015	राहु	26/03/2033	गुरु	02/02/2043	शनि	10/03/2061
मंगल	16/10/1999	राहु	28/08/2018	गुरु	01/07/2035	शनि	13/03/2044	बुध	09/01/2064
राहु	11/03/2002	गुरु	10/03/2021	शनि	11/03/2038	बुध	10/03/2045	केतु	10/03/2065

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
10/03/2065		11/03/2071		10/03/2081		10/03/2088		12/03/2106	
11/03/2071		10/03/2081		10/03/2088		12/03/2106		00/00/0000	
सूर्य	28/06/2065	चंद्र	09/01/2072	मंगल	07/08/2081	राहु	21/11/2090	गुरु	29/04/2108
चंद्र	28/12/2065	मंगल	09/08/2072	राहु	25/08/2082	गुरु	16/04/2093	शनि	10/11/2110
मंगल	04/05/2066	राहु	08/02/2074	गुरु	01/08/2083	शनि	21/02/2096	बुध	15/02/2113
राहु	29/03/2067	गुरु	10/06/2075	शनि	09/09/2084	बुध	09/09/2098	केतु	22/01/2114
गुरु	15/01/2068	शनि	08/01/2077	बुध	06/09/2085	केतु	28/09/2099	शुक्र	22/09/2116
शनि	27/12/2068	बुध	10/06/2078	केतु	02/02/2086	शुक्र	29/09/2102	सूर्य	31/05/2117
बुध	03/11/2069	केतु	09/01/2079	शुक्र	04/04/2087	सूर्य	23/08/2103		00/00/0000
केतु	11/03/2070	शुक्र	09/09/2080	सूर्य	10/08/2087	चंद्र	21/02/2105		00/00/0000
शुक्र	11/03/2071	सूर्य	10/03/2081	चंद्र	10/03/2088	मंगल	12/03/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 4 वर्ष 9 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म हस्त नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय पर मेदिनीय क्षितिज पर कन्या लग्न के साथ-साथ कर्क राशि का नवमांश एवं वृषभ राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। प्रस्तुत समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव इस विन्दु की संभावना व्यक्त करता है कि आपका जीवन एक प्रस्तर चक्र के समान शोभनीय है जो सदैव एक परत से दूसरी परत तक परिवर्तित होता रहता है। अर्थात् आप काम को बदल-बदल कर सम्पादन करते रहते हो। आपकी महत्वकांक्षा है कि आपके नाम बैंक में मोटी रकम जमा रहे। परन्तु आप अपनी महत्वकांक्षा के प्रति अनिवार्य रूप से चिन्तन करना आवश्यक नहीं समझते हैं। लेकिन आप अपनी पहुँच के बारे में अच्छी प्रकार अध्ययन नहीं कर पाते कि आखिर आपकी पहुँच कहाँ तक है।

आपकी ऐसी आदत है कि आप अपने स्तर पर अनिवार्य अधूरे कार्य को त्याग कर नये कार्य प्रभार को ग्रहण कर लेते हो। यह साहसिक कार्य आपके लिए सदैव लाभदायक नहीं रहता है। क्योंकि आप वैद्यानिक रूप से यह निर्णय नहीं कर पाते हैं।

परन्तु प्रायः आप अस्वाभाविक रूप से बुद्धि को प्रेरित कर अपनी कार्य योजना का विकल्प की तलाश करने लगते हैं। यदि आप विशेषता पूर्वक निर्णय लेकर पूर्ण रूपेण सक्रिय हो जाएं तो आप पूर्ण लाभ प्राप्त करेंगे।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप अपने विचारों को अत्यनत संकट ग्रस्त मोड़ दे देते हों। इस कारण ऐसा घटित हो सकता है कि आपके मित्र अथवा व्यवसायिक सहयोगी निरन्तर आपकी कमजोरी के सम्बन्ध में सदैव आलोचना करें। इस प्रकार वे लोग आपको पूर्ण रूपेण तिरस्कृत कर दें। परिणाम स्वरूप वे लोग इस सम्बंध में प्रयास करके आपके विरूद्ध न्यायालय में आपकी त्रुटि को उजागर करे। अतः आपको धैर्य पूर्वक अपनी उस आपतिजनक गुर्राने की आदतों को सदा के लिए त्याग देना चाहिए। आपको नाना प्रकार की घरेलू विषयक दुर्बलता का भी त्याग कर देना चाहिए। अन्यथा वातावरण दुषित हो जायगा। वास्तव में आपको अत्यन्त ही आरामदायक भवन तथा गृहणी चाहिए जो हर हालत में प्रेम सम्बंध प्रदान करते हुए आपका समर्थन एवं सहयोग करे।

आप विपरीत योनि के प्रति आकर्षित तथा सम्बंधित व्यग्रता या घबराहट उत्पन्न करने वाली रोग प्रणाली के प्रति सतर्कता बरते। ये दोनों रोग उच्चस्तरीय स्पन्दित है। यदि आप पूर्व सतर्कता नहीं बरत सके तो आप इन रोगों से ग्रसित एवं प्रभावित हो जाएंगे। आप को वृद्धावस्था की प्राप्ति होगी। आप को भोजन के अतिरिक्त शाक-सब्जी का भोज्य करने के उपरान्त सम्बंधित रोगों के भार से मुक्त हो जाएंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सूआपंखी, पीला, हरा एवं सफेद रंग भाग्यशाली एवं प्रभावक हैं। कृपया काला रंग लाल एवं नीला रंगों का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल संभावित एवं स्पष्ट अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। इन तारीखों को महत्वपूर्ण समझें। अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।